

Demands for Grants (2015-16) pertaining to the Department of Science and Technology.

- (ii) Status of implementation of recommendations contained in the Two Hundred and Seventy-sixth Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Science and Technology, Environment and Forests on the Action Taken by the Government on the recommendations contained in the Two Hundred and Fifty-seventh Report on the Demands for Grants (2015-16) pertaining to the Department of Scientific and Industrial Research.
- (iii) Status of implementation of recommendations contained in the Two Hundred and Eighty-first Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Science and Technology, Environment and Forests on the Demands for Grants (2016-17) pertaining to the Department of Science and Technology.

---

#### **MOTION FOR ELECTION TO COUNCIL OF INDIAN INSTITUTE OF SCIENCE, BANGALORE**

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI PRAKASH JAVADEKAR): Sir, I rise to move:—

That in pursuance of the provisions contained in sub-clause (e) of clause 9.1 of the Scheme for the Administration and Management of the Properties and Funds of the Indian Institute of Science, Bangalore, read with Regulations 3.1, 3.1.1 and 9.1 of the Regulations of the Institute, this House do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, one Member from amongst the Members of the House, to be a member of the Council of the Indian Institute of Science, Bangalore for the remaining period of the quadrennium 2014-2017 to fill up the vacancy caused due to the retirement of Dr. Ashok S. Ganguly from the membership of Rajya Sabha on 17th November, 2015.

*The question was put and the motion was adopted.*

---

#### **INFORMATION TO THE HOUSE**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Zero Hour submissions; Shri Tapan Kumar Sen.

DR. K.V.P. RAMACHANDRA RAO (Telangana): Sir, ...(Interruptions)...

**Re. Matter raised, on 1st August, 2016, by Shri Ali Anwar Ansari pertaining to  
Indian Labourers stranded in Saudi Arabia and other countries**

**विदेश मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज):** उपसभापति महोदय, परसों Zero Hour के दौरान अंसारी जी ने एक मामला उठाया था और सदन ने भी अपने आपको उसके साथ सम्बद्ध किया था, वह मसला सऊदी अरब में भारतीय श्रमिकों के बारे में था। भारत सरकार जो प्रयास कर रही है, मैंने अपनी ओर से एक बयान देकर, उसकी जानकारी सदन को दी है। उसमें कुछ प्रगति हुई है, मैंने आपसे अनुमति चाही है कि मैं सदन को भी उसकी जानकारी दे दूँ। ...(व्यवधान)...

**श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश):** दो बजे।

**श्रीमती सुषमा स्वराज:** मुझे उसकी जानकारी देनी है, मैं वह जानकारी 2 बजे क्यों दूँ? सदन को उसकी जानकारी अभी मिल जाए, तो अच्छी बात है। ...(व्यवधान).... मुझे केवल उस प्रगति की जानकारी देनी है।

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI GHULAM NABI AZAD): Sir, I think, she should be allowed. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Are you not making a statement at 2.00 p.m.?

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: No *suo motu* statement. मैं उसकी जानकारी देना चाहती हूँ, जो परसों ...(व्यवधान)....

MR. DEPUTY CHAIRMAN: My problem is only this. ...(Interruptions).... Hon. Members may be asking questions on that. They would like to have more details. So, it will be good if you can come at 2.00 p.m.

**श्रीमती सुषमा स्वराज:** सर, वह कोई *suo motu* statement नहीं है ...(व्यवधान).... clarification का मामला नहीं है। ...(व्यवधान)....

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Even otherwise, ...

**श्रीमती सुषमा स्वराज:** मैं तीन मिनट में जवाब दे दूंगी, सबको सुनकर अच्छा लगेगा। ...(व्यवधान).... सबको सुनकर अच्छा लगेगा।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, okay. ...(Interruptions).... The House is in agreement.

**श्रीमती सुषमा स्वराज:** उपसभापति जी, मैं आपको केवल जीरो ऑवर पर respond कर रही हूँ। मैंने उस दिन बताया था कि क्या-क्या प्रयास किए हैं, आज मैं सदन को बता दूँ कि उसमें आगे क्या-क्या प्रोग्रेस हो गई है।

**श्री उपसभापति:** ओ.के., आप बोलिए।

**श्रीमती सुषमा स्वराज:** मुझे आपकी अनुमति से यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमने जो बात यहाँ पर कही थी, सऊदी अरब के शासकों ने तुरंत उसका संज्ञान लिया। इसमें स्वयं सऊदी नरेश, यानी King of Saudi Arabia, Salman bin Abdulaziz साहब ने अपने अधिकारियों को यह निर्देश दिया कि दो दिनों के अंदर इस समस्या का समाधान हो जाना चाहिए। मैंने आपसे कहा था कि हम वहाँ जनरल (सेवानिवृत्त) वी.के. सिंह जी को भेज रहे हैं, वे परसों रात चले गए, कल उनकी मीटिंग वहाँ के सोशल एंड लेबर मिनिस्टर के साथ हुई, हकबानी साहब के साथ। उन्होंने कहा कि सऊदी नरेश ने निर्देश दिए हैं कि भारतीय श्रमिकों को ले जाने के लिए भारत ने जो एग्जिट वीजा मांगा है, हम वह एग्जिट वीजा तो देंगे ही, साथ ही हम उन श्रमिकों को अपने विमानों से, अपने व्यय पर भारत भी भेजेंगे और भारत सरकार को इस पर कुछ खर्च करने की जरूरत नहीं होगी।

दूसरी बात, जो हमने चाही थी, वह यह थी जिन वर्कर्स को वहाँ पर नौकरी मिल सकती है, जो कंपनियाँ उन्हें नौकर रखना चाहती हैं, उन कंपनियों को इजाजत दे दें। उन्होंने वह इजाजत देकर भी कह दिया है कि जिन-जिन कंपनियों को इनमें से जो लोग योग्य लगते हैं, वे उनको काम की इजाजत दे दें, और हम यह कहते हैं कि यदि उनको दूसरी जगह नौकरी मिल सकती है, तो वे कंपनियाँ उनको रख लें, हम उनको इसकी अनुमति देते हैं।

तीसरी बात, जो हमने चाही थी, वह यह थी कि वे लोग, जो जो रहे हैं, वे अपने क्लेम्स रजिस्टर कराकर जाएं, इसकी कोई व्यवस्था बना दें। उन्होंने वह बात भी मान ली कि हर वर्कर इनडिविजुअली, यानी अपना क्लेम अलग-अलग, लेबर ऑफिस के साथ फ़ाइल कर दे, ताकि बाद में हमारी रियायत अम्बेसी, यानी भारतीय दूतावास रियायत और उनका लेबर ऑफिस मिलकर इन क्लेम्स को सैटल कर लेगा और भारत लौटने के बाद भी उनका पैसा, उनका बकाया वेतन उन्हें मिल सकेगा।

इसके अलावा उन्होंने अपनी ओर से यह भी कहा कि जिन-जिन कैम्पों में ये श्रमिक रह रहे हैं, उनकी सफाई का प्रबंध, वहाँ पर मेडिकल चिकित्सा का प्रबंध और उन लोगों को हर तरह की सुविधा मिले, इसका प्रबंध ...(व्यवधान)... खाना भी, भोजन हम अपनी ओर से देंगे, इसलिए भारत सरकार इस पर चिंता करना छोड़ दे। इसके बारे में उन्होंने तुरंत अपनी कैटरिंग सर्विसिज़ को, अपनी हॉस्पिटल अथॉरिटीज़ को यह निर्देश दे दिए कि वे तुरंत कैम्पों में जाएं, सफाई का प्रबंध शुरू करें, जिनको मेडिकल ट्रीटमेंट चाहिए, वह ट्रीटमेंट दें, और आज से सऊदी अरब सरकार उनके भोजन का प्रबंध करना प्रारंभ कर दे।

सबसे पहले, तो मैं अपनी ओर से, सदन की ओर से, भारत सरकार की ओर से सऊदी अरब शासकों का शुक्रिया अदा करना चाहती हूँ कि उन्होंने तुरंत यह काम किया, लेकिन मैं साथ ही विदेश मंत्री के तौर पर प्रधान मंत्री जी का भी धन्यवाद करना चाहती हूँ कि यह काम इसलिए संभव हो सका, क्योंकि अभी, जब वे सऊदी अरब गए थे, तो अपनी यात्रा के दौरान, वे जो संबंध, भारत और सऊदी अरब के और अपने व्यक्तिगत संबंध बनाकर आए हैं, यह सब उनके कारण ही संभव हो सका है। इसलिए, मैं यहाँ केवल शुक्रिया ही अदा नहीं करना चाहती हूँ, बल्कि सदन को यह भी बताना चाहती हूँ कि जनरल (सेवानिवृत्त) वी.के. सिंह वहीं पर हैं। वे इस पूरी सहमति को अमली जामा पहनाने के बाद ही लौटेंगे और यह काम कल से प्रारंभ हो जाएगा। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। ...(व्यवधान)...

**श्री गुलाम नबी आज़ाद:** यहाँ पर माननीया विदेश मंत्री ने जो बताया, वह बहुत अच्छी और खुशी की बात है। हमें न सिर्फ़ भारत सरकार की तरफ से, बल्कि भारत के पूरे सदन की तरफ से और भारत की जनता की तरफ से सऊदी अरब का आभार प्रकट करना चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

**[قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد):** یہاں پر مانیئے ودیش منتری جی نے جو بتایا، وہ بہت اچھی اور خوشی کی بات ہے۔ ہمیں نہ صرف بھارت سرکار کی طرف سے، بلکہ بھارت کے پورے سدن کی طرف سے اور بھارت کی جنتا کی طرف سے سعودی عرب کا ابھار پرکٹ کرنا چاہیئے۔۔۔**(مداخلت۔۔۔)**

**श्री शमशेर सिंह डुलो (पंजाब):** उपसभापति जी, यह सऊदी अरब की ही बात नहीं है। ...**(व्यवधान)**... दूसरी गल्फ़ कंट्रीज़ ...**(व्यवधान)**... यूएई ...**(व्यवधान)**... और अन्य गल्फ़ कंट्रीज़ में हमारे पंजाब प्रांत के लोग काफी स्ट्रेन्ड हैं, उनको नौकरी से निकाला गया है। ऐसे कई देश हैं। मैडम, यह एक अकेले सऊदी अरब की ही बात नहीं है, बल्कि गल्फ़ कंट्रीज़ में जितने मजदूर लोग हैं, वे चाहे केरल से हों, पंजाब से हों, उनको भी काम से निकाला गया है। ...**(व्यवधान)**... आप इस तरफ भी ध्यान दें। ...**(व्यवधान)**...

**श्री अली अनवर अंसारी (बिहार):** आप सुन लीजिए। वहाँ के मजदूर हमसे लगातार संपर्क रखे हुए हैं। आप ground zero report ...**(व्यवधान)**... सुन लीजिए। सर, एक मिनट। ...**(व्यवधान)**... यह ठीक बात है कि सुषमा जी अपने दायरे में बढ़िया काम कर रही हैं। यह हमने कल भी कहा था, आज भी कह रहे हैं, लेकिन एक बात, जो असल बात है, उन्होंने उसके बारे में कुछ नहीं कहा है कि उनको जो आठ महीने से वेतन नहीं मिला है, उसके बकाये का क्या होगा? ...**(व्यवधान)**...

**श्री नरेश अग्रवाल:** कह तो दिया है।

**श्रीमती सुषमा स्वराज:** मैंने कह दिया है।

**श्री अली अनवर अंसारी:** उसको कंपनी वाले नहीं दे रहे हैं। सर, दूसरी चीज़...**(व्यवधान)**... जो यहाँ लाए जाएंगे ...**(व्यवधान)**... उनके रोजगार का क्या इंतजाम होगा? ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. ...**(Interruptions)**.. She has already replied to that. What are you doing? ...**(Interruptions)**... It is irrelevant. ...**(Interruptions)**... Why do you speak irrelevant things? ...**(Interruptions)**... She has already said that all the things will be arranged. ...**(Interruptions)**... Why do you do that? ...**(Interruptions)**... बोलिए ...**(व्यवधान)**... No, no. ...**(Interruptions)**... Please sit down. ...**(Interruptions)**... No, no. That is all. ...**(Interruptions)**... The reply is ...**(Interruptions)**...

SHRI T. K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, ...**(Interruptions)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. The reply is very clear. ...**(Interruptions)**...

SHRI T. K. RANGARAJAN: Yes; I agree. I want to thank our Foreign Minister, her Department, the Government of India and the Government of Saudi Arabia. I want to seek some clarification. For those who have returned from there, I would like to know whether the Government of India can ask the State Government to provide some jobs for them. ...*(Interruptions)*... Because a lot of ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is a subsequent issue. ...*(Interruptions)*...

SHRI T. K. RANGARAJAN: Sir, the Tamil Nadu people. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is a later issue. ...*(Interruptions)*... No, no. ...*(Interruptions)*... That is not here...*(Interruptions)*... That is not for Shrimati Sushma Swaraj to take action. That is not for her to do. ...*(Interruptions)*... Listen, with regard to this issue of Indian workers' plight in Saudi Arabia, hon. Minister has given a clear reply, with regard to their return, with regard to the stay of those who want to stay back, with regard to their salary and emoluments, etc. Therefore, if you want any further discussion, give a notice. We can separately consider it. Now, Shri Tapan Kumar Sen. ...*(Interruptions)*...

श्री प्रताप सिंह बाजवा (पंजाब): सर ...*(व्यवधान)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You can give a notice. I have told you. ...*(Interruptions)*...

SHRI PARTAP SINGH BAJWA: Sir, just a second. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I told you to give a separate notice. Otherwise, Zero Hour will be derailed.

SHRI PARTAP SINGH BAJWA: Sir, Just a second. Sir, Zero hour will not be derailed. Sir, give me just a minute. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Husain Dalwai, please sit down.

श्री प्रताप सिंह बाजवा: सर, सबसे पहले फॉरेन मिनिस्टर जी ने जो ...*(व्यवधान)*...

श्री उपसभापति: उनका reply ठीक है, complete है।

श्री प्रताप सिंह बाजवा: सर, मुझे मुबारकबाद तो देने दीजिए। चूंकि उन्होंने इतना अच्छा काम किया है, इसलिए मैं उनको मुबारकबाद देता हूँ।

श्री उपसभापति: ठीक है।

**श्री प्रताप सिंह बाजवा:** सर, इसके साथ ही मैं यह पूछना चाहता हूँ कि दो साल पहले 39 इंडियन्स, विशेषकर जो पंजाब से, बंगाल से ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. That is a different matter. ...(Interruptions)...

SHRI PARTAP SINGH BAJWA: It is a similar thing, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is a different matter. You give another notice. That is a different matter. ...(Interruptions)... चूंकि यह अलग मैटर है, इसलिए आप इसके लिए दूसरा नोटिस दीजिए। आप इसके लिए separate notice दे दीजिए। ...(व्यवधान)... You do one thing. Give a Zero Hour notice for tomorrow. Now, sit down. Now, Shri Tapan Kumar Sen. ...(Interruptions)... Give a Zero Hour notice tomorrow.

---

#### MATTERS RAISED WITH PERMISSION

##### **Opposition to Government's move to appropriate huge part of employees' savings in EPF**

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I am going to raise a labour issue and, at the outset, I will definitely thank the hon. Minister of External Affairs. She has taken a very prompt action. I had also written to her on this issue earlier. It was a very prompt action, So I thank her.

Sir, I rise to draw the attention of the House to the move of the Government of India to appropriate a part of the workers' own lifetime savings lying in the Provident Fund for a purpose which is in no way linked with the EPF subscribers. So, this appropriation is thoroughly illegitimate, improper and an attack on their own lifetime savings. The Government has mooted a proposal that a part of the EPF accumulation will be appropriated for the purpose of setting up Senior Citizens' Pension Fund. We welcome the idea of Senior Citizens' Pension Fund. But the Government should fund it. Why is the Government making the poor workers to pay for the pension fund of poorer workers, which is, essentially, the Government's responsibility? The money lying in the Employees' Provident Fund wholly belongs to the workers who are subscribing to EPF, not of anybody else. So how could you appropriate it? We also support you for the cause of Senior Citizens' Pension Fund. There is pilferage in the bank money to the tune of Rs. 8.5 lakh crore worth NPA. There is pilferage in the National Exchequer to the extent of unpaid direct-tax, to the tune of Rs. 5 lakh crores. And these are all Government figures. Instead of stopping that pilferage — if you stop that pilferage, you will get enough money